ये अव्यक्त इशारे

ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति का अनुभव करो

26-11-2026

ब्राह्मण जीवन का लक्ष्य है ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न वा कर्मातीत बनना। इस लक्ष्य को पाने के लिए विशेष स्वयं में समेटने की शक्ति, समाने की शक्ति धारण करो। कर्मबन्धनी आत्माएं जहाँ हैं वहाँ ही कार्य कर सकती हैं और कर्मातीत आत्मायें एक ही समय पर चारों ओर सेवा का पार्ट बजा सकती हैं क्योंकि कर्मातीत हैं। उनकी स्पीड बहुत तीव्र होती है, सेकण्ड में जहाँ चाहे वहाँ पहुँच सकती हैं।

Experience the complete and perfect stage, the same as Father Brahma.

The aim of Brahmin life is to attain the karmateet stage. In order to attain this aim, you especially need the power to pack up and the power to accommodate. Souls who are in bondage are only able to carry out a task wherever they are, whereas souls who are karmateet are able to play their parts of service anywhere, because they are karmateet. Their speed is very intense and they can reach wherever they want in a second.